



Ashvani Sharma

26 Nov 1984

03:51 AM

Shamli

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 121469802

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 25-26/11/1984
दिन _____: रवि-सोमवार
जन्म समय _____: 03:51:00 घंटे
इष्ट _____: 52:24:20 घटी
स्थान _____: Shamli
राज्य _____: Uttar Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 29:27:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 03:30:12 घंटे
वेलान्तर _____: 00:12:58 घंटे
साम्पातिक काल _____: 07:50:22 घंटे
सूर्योदय _____: 06:53:16 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:22:21 घंटे
दिनमान _____: 10:29:06 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: हेमन्त
सूर्य के अंश _____: 10:12:05 वृश्चिक
लग्न के अंश _____: 00:24:22 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: तुला - शुक्र
राशि-स्वामी _____: धनु - गुरु
नक्षत्र-चरण _____: पूर्वाषाढा - 2
नक्षत्र स्वामी _____: शुक्र
योग _____: शूल
करण _____: वणिज
गण _____: मनुष्य
योनि _____: वानर
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: सर्प
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: धा-धर्मन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: धनु

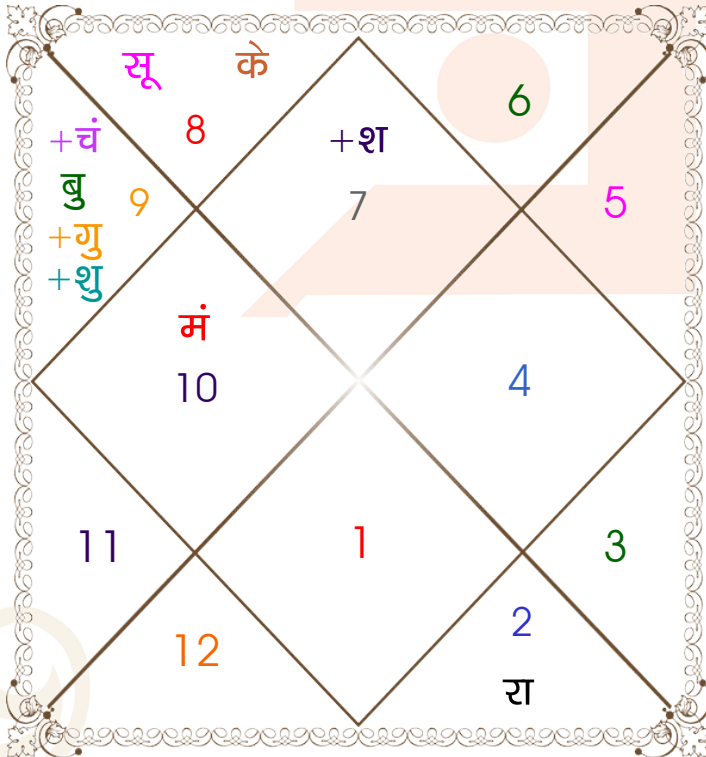
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	00:24:22	312:03:17	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	10:12:05	01:00:44	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			धनु	18:54:03	13:27:39	पूर्वाषाढा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
मंगल			मक	14:00:45	00:45:21	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	उच्च राशि
बुध			धनु	01:54:09	01:00:24	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
गुरु			धनु	19:51:05	00:12:16	पूर्वाषाढा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	स्वराशि
शुक्र			धनु	20:40:53	01:11:42	पूर्वाषाढा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
शनि		अ	तुला	27:10:21	00:07:04	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	उच्च राशि
राहु		व	वृष	03:46:49	00:00:54	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
केतु		व	अ वृश्चि	03:46:49	00:00:54	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
हर्ष		अ	वृश्चि	19:33:08	00:03:38	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
नेप			धनु	06:30:27	00:02:05	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	---
प्लूटो			तुला	09:39:37	00:02:10	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	01:58:09	--	पुनर्वसु	--	7	चंद्र	गुरु	राहु	--

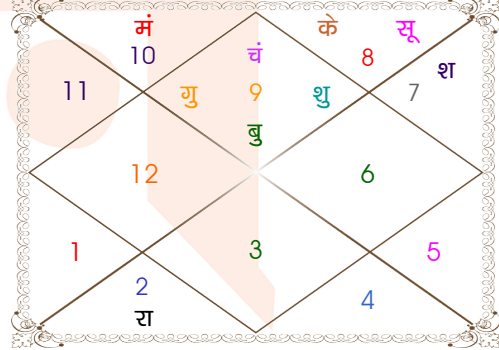
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:31

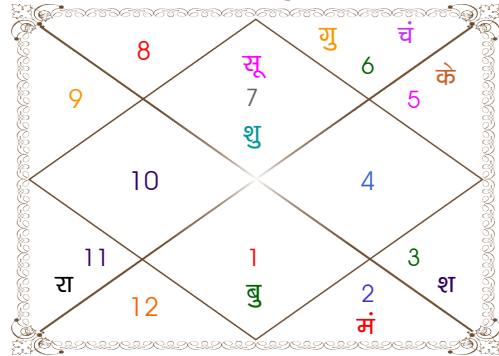
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 11 वर्ष 7 मास 23 दिन

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
26/11/1984	20/07/1996	21/07/2002	20/07/2012	21/07/2019
20/07/1996	21/07/2002	20/07/2012	21/07/2019	21/07/2037
00/00/0000	सूर्य 07/11/1996	चंद्र 21/05/2003	मंगल 17/12/2012	राहु 02/04/2022
00/00/0000	चंद्र 09/05/1997	मंगल 20/12/2003	राहु 04/01/2014	गुरु 26/08/2024
00/00/0000	मंगल 13/09/1997	राहु 20/06/2005	गुरु 11/12/2014	शनि 03/07/2027
26/11/1984	राहु 08/08/1998	गुरु 20/10/2006	शनि 20/01/2016	बुध 19/01/2030
राहु 20/09/1986	गुरु 27/05/1999	शनि 21/05/2008	बुध 16/01/2017	केतु 07/02/2031
गुरु 21/05/1989	शनि 08/05/2000	बुध 20/10/2009	केतु 14/06/2017	शुक्र 07/02/2034
शनि 20/07/1992	बुध 15/03/2001	केतु 21/05/2010	शुक्र 14/08/2018	सूर्य 01/01/2035
बुध 21/05/1995	केतु 21/07/2001	शुक्र 20/01/2012	सूर्य 20/12/2018	चंद्र 02/07/2036
केतु 20/07/1996	शुक्र 21/07/2002	सूर्य 20/07/2012	चंद्र 21/07/2019	मंगल 21/07/2037

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
21/07/2037	21/07/2053	20/07/2072	21/07/2089	20/07/2096
21/07/2053	20/07/2072	21/07/2089	20/07/2096	00/00/0000
गुरु 08/09/2039	शनि 23/07/2056	बुध 17/12/2074	केतु 17/12/2089	शुक्र 20/11/2099
शनि 21/03/2042	बुध 03/04/2059	केतु 14/12/2075	शुक्र 16/02/2091	सूर्य 20/11/2100
बुध 26/06/2044	केतु 11/05/2060	शुक्र 14/10/2078	सूर्य 24/06/2091	चंद्र 22/07/2102
केतु 02/06/2045	शुक्र 12/07/2063	सूर्य 21/08/2079	चंद्र 23/01/2092	मंगल 21/09/2103
शुक्र 01/02/2048	सूर्य 23/06/2064	चंद्र 19/01/2081	मंगल 20/06/2092	राहु 27/11/2104
सूर्य 19/11/2048	चंद्र 22/01/2066	मंगल 16/01/2082	राहु 08/07/2093	00/00/0000
चंद्र 21/03/2050	मंगल 03/03/2067	राहु 05/08/2084	गुरु 14/06/2094	00/00/0000
मंगल 25/02/2051	राहु 07/01/2070	गुरु 10/11/2086	शनि 24/07/2095	00/00/0000
राहु 21/07/2053	गुरु 20/07/2072	शनि 21/07/2089	बुध 20/07/2096	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 11 वर्ष 8 मा 20 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में उच्चाभिलाषी वर्गानुसार जन्म लग्न तुला के उदय काल हुआ था। तुला नवमांश एवं तुला द्रेष्काण के उदय कालीन प्रभाव वर्गोत्तम दशा में अनेकानेक शुभ संकेतों का सृजन कर रहा है। फलस्वरूप आप आरामदायक, उच्च आनन्द प्रदायक जीवन का प्रसन्नता युक्त सुखपूर्वक समय व्यतीत करेंगे।

यह सुनिश्चित है कि आप अपनी अभिरुचि के अनुसार अपनी जीवन संगिनी अर्थात् अपनी पत्नी का चयन करेंगे। आप कामुक प्राणी है। इस प्रभाव से आप अपना अधिक समय प्रेम-प्रसंग के चिंतन तथा प्रेम संबंध स्थापित करने में व्यतीत करेंगे। आप उच्च स्तर के भावुक प्राणी है। आप अपनी संगिनी को हार्दिक प्यार करते हो तथा अनुग्रहपूर्वक वासनात्मक प्रवृत्ति से व्यवहार करते हों। आप पूर्ण रूपेण अपनी संगिनी के प्रति समर्पित प्राणी हैं। यदि आपका संगिनी आपकी अभिरुचि के अनुरूप अथवा आशा के अनुकूल आचरण नहीं करती है तो दोनों के समक्ष संबंधित समस्याएं उत्पन्न हो जाती है। जब आप भी अपनी संगिनी को कुछ उपहार नहीं देते हो लेकिन सामंजस्य स्थापित करने के प्रति कार्यरत हो जाते हैं। आप अपने स्वाभावानुकूल उस व्यक्ति के साथ तारतम्य स्थापित कर सकेंगे, जिनकी राशि मिथुन हो अथवा कुंभ राशि में जन्म हुआ हो। आप यह निश्चित मान कर चले कि आपका मेल मीन मकर एवं कर्क राशि अर्थात् जलीय गुणयुक्त प्राणी से असंभव है।

आपका रंग रूप उत्तम एवं पूर्ण विकसित शरीर होगा। आप पूर्ण युवा शक्ति संपन्न होंगे। परिणामस्वरूप आपके मित्र संबंधित एवं व्यवसायिक मित्रों के मध्य प्रख्यात होंगे। आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप अपने व्यक्तित्व का प्रयोग कर अपनी अच्छी पहचान जन सामान्य की दृष्टि में बनाकर, लाभ प्राप्ति के क्षेत्र में उच्च स्तर प्राप्त करेंगे।

फलस्वरूप आप थोक धन की आय करेंगे तथा बहुतायत में खर्च भी करेंगे। आप यदा कदा बेतुकी बात करके आनन्द प्राप्त करेंगे। आपमें विभिन्न आकर्षक विद्यमान है। आप मुक्त हस्त से धन का व्यय करते हैं। आप सदैव सहृदयता पूर्वक धन का कुछ अंश व्यय करने के लिए उद्यत रहते हैं। आप किसी भी प्रकार की करुण कथा सुन कर यदा कदा किसी को भी मुक्त हस्त से आर्थिक सहयोग करते हैं।

कुछ व्यक्ति आपकी इस प्रकार की उदारतापूर्ण व्यवहार एवं भाव वृद्धि को अनुपयुक्त समझकर आपको अज्ञानी समझते हैं। अतः आप इस प्रकार की उदारतापूर्ण प्रवृत्ति के प्रति अपने विचारों को मेड़ने की शिक्षा ग्रहण करें।

सभी मिला जुलाकर आप बहुत अच्छे एवं सौम्य व्यक्ति हैं। परन्तु यदा-कदा किसी भी सुअवसर पर आप अपने धैर्य की अवनति कर सकते हैं तथा आप प्रतिशोध ले सकते हैं। आपको अपनी इस प्रवृत्ति पर भली प्रकार प्रतिरोध लगाना होगा। अन्यथा आपकी छवि पर कोई कलंक लग सकता है।

आप सौभाग्यवश शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं निरोग रहेंगे। आप अपनी

मध्यावस्था तक अपने शारीरिक वृद्धि की प्रवृत्ति के प्रति विमुख रहें। उत्तम तो यह है कि आप अधिक भोजन पर अश्रित न रहें तथा भोजन पर नियंत्रण रखें। संप्रति आप किसी प्रकार के रोग से संक्रमित तथा अधीन हो सकते हैं। आप किडनी के रोग एवं मूत्र संबंधी रोग के प्रति सतर्क रहे। आपके लिए यह निर्देश है कि आप अपने घर पर अपने मित्रों के साथ कोई व्रण क्षत के शिकार हो सकते हैं। आपको इस बात के प्रति अनुभव अर्थात् पश्चात करना चाहिए कि बिना मित्र के सहयोग से आपके लिए दायित्व को पूरा करना सहज बात नहीं है।

आपके लिए सेवा व्यवसायों में उपयुक्त एवं प्रभावी कार्य सामाजिक जीवन का नेतृत्व अति अनुकूल प्रतीत होता है। आप गर्वनमेंट सेवक एवं अधिकारी के साथ लोक माध्यम का कार्य करें तो अच्छा है। यदि आप अनुमोदन करें तो आप स्वयं रासायनिक व्यवसाय तरल पदार्थों का व्यवसाय जैसे तेल-धृत आदि अथवा इसके अतिरिक्त आप विधिवेत्ता (वकील) अकिटिकट विक्रय प्रतिनिधि, लेखक गायन वाद्य यंत्रवादक, पार्श्व गायक के साथ-साथ आप राजनीति से भी स्रोत स्थापित रख सकते हैं।

आपके लिए रंगों में उत्कृष्ट नारंगी एवं लाल रंग शुभकारक एवं भाग्यवर्द्धक है। आप पीला एवं हरे रंगों का त्याग कर दें।

आपके लिए अंको में 8 अंक उत्तम एवं धनोपार्जन अथवा धन निवेश हेतु अनुकूल है। साथ ही अंक 1, 2, 4 और 7 अंक सर्वथा अनुकूल है। परन्तु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए प्रतिकूल अंक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।